हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404 **(HIL 404)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: हिन्दी की द् ववेदी युगीन क वता ने खड़ी बोली क वता का ढाँचा खड़ा कया,ले कन उसे व्यवस्थित रूप में ढालने का काम छायावादी क वता के द्वारा हुआ । खड़ी बोली क वता की इस चन्ताधारा ने हिन्दी क वता को नए शब्द दिए और ये शब्द प्रकृति के साहचर्य से आए । छायावादी क वता केवल शब्दों के रचाव के लहाज से महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इस क वता ने हिन्दी क वता की संवेदना को संस्कार दिया एवं सौन्दर्य चेतना का प्रसार कया । इस क वता के जरिए खड़ी बोली क वता की प्रकृति चेतना को उभार मला । इस पाठ्यक्रम के तहत एम.ए हिन्दी के वद्या र्थयों को प्रकृति चेतना से परि चत कराना है,जिससे क वे छायावादी क वता के वस्तृत फलक से रुबरू हो सकें ।

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404 **(HIL 404)** श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली प्रकृति काव्य : एक परिचय (**4** घंटे)

क) छायावाद : पृष्ठभू म, क वयों-आलोचकों की दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) छायावाद: जागरण का स्वर,वैश्विक चेतना, साहित्यिक अवदान

इकाई-2 महादेवी वर्मा का काव्य (**4** घंटे)

क) महादेवी वर्मा : जीवन दर्शन,रहस्यवाद

ख) महादेवी वर्मा का काव्य : प्रकृति वर्णन,वेदना तत्व, गीति-तत्व

ग) महादेवी वर्मा की क वता का पाठ- वश्लेषण (सं धनी की प्रमुख क वताएँ : 2,3,4,5,7,8,11,14,15,18,21,22,29,30)

इकाई-3 सु मत्रानन्दन पंत का काव्य (**4** घंटे)

क) सु मत्रानन्दन पंत : जीवन दर्शन, सौन्दर्य -दृष्टि,काव्यगत वकास

ख) सु मत्रानन्दन पंत का काव्य : रहस्यवाद,काव्य-भाषा

ग) सु मत्रानन्दन पंत की क वता का पाठ- वश्लेषण : ('प्रथम रश्मि', 'जग के ऊर्वर आँगन में', 'ताज', 'स्त्री', 'बापू के प्रति', 'ग्राम देवता')

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद का काव्य (**4** घंटे)

क) कामायनी : सौन्दर्य-सौष्ठव, सामरस्य सद्धान्त ,भाव-पक्ष,कला-पक्ष, प्रासं गकता

ख) जयशंकर प्रसाद की क वता का पाठ- वश्लेषण : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई-5 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का काव्य (**4** घंटे)

क) 'मुक्त छन्द' और निराला

ख) निराला का काव्य : प्रकृति चत्रण, वं चतों का संसार, जागरण का स्वर

ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की क वता का पाठ- वश्लेषण : ('सरोज स्मृति', 'बांधों न नाव इस ठांव बंधु', 'तुम और मैं,' 'तोड़ती पत्थर')

सम्भा वत ग्रन्थ :

आधार ग्रन्थ :

1. महादेवी वर्मा सं धरेखा,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद - 211001
2. जयशंकर प्रसाद कामायनी,राजकमल पेपर बैक्स, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली -110002
3. सु मत्रानन्दन पंत सु मत्रानन्दन पंत ग्रंथावली,भाग -1 ,राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002
4. नंद कशोर नवल (सम्पादन) निराला रचनावली-2, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002

संदर्भ ग्रन्थ :

5. डॉ. नामवर संह छायावाद , राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002
6. डॉ. नगेन्द्र सु मत्रानन्दन पंत, मयूर पेपरबैक्स,नोएडा-201301
7. गणपति चन्द्र गुप्त महादेवी नया मूल्यांकन, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल,दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001
8. डॉ. ए. अर वन्दाक्षन (संपादन) निराला एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन प्राइवेट ल मटेड,पंचकूला -134 113
9. वनोद शाही जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन,आधार प्रकाशन,प्रा. ल.,पंचकूला,हरियाणा-134113
10. नन्द दुलारे वाजपेयी क व सु मत्रानंदन पन्त, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल,दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001

व्याख्यान योजना-

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल **404 (HIL 404)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय

व्याख्यान संख्या	व्याख्यान वषय	सम्भा वत स्रोत
1-2	इकाई एक प्रारम्भ, खड़ी बोली प्रकृति काव्य : एक परिचय छायावाद : पृष्ठभू म, क वयों-आलोचकों की दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ	पाठ्यपुस्तक 5,10
3-4	छायावाद: जागरण का स्वर,वैश्विक चेतना, साहित्यिक अवदान	पाठ्यपुस्तक 5,10
5	महादेवी वर्मा का काव्य महादेवी वर्मा : जीवन दर्शन,रहस्यवाद	पाठ्यपुस्तक 7
6	महादेवी वर्मा : रहस्यवाद	पाठ्यपुस्तक 7
7	महादेवी वर्मा का काव्य : प्रकृति वर्णन,वेदना तत्व, गीति-तत्व	पाठ्यपुस्तक 7,10
8	महादेवी वर्मा की क वता का पाठ- वश्लेषण (सं धनी की प्रमुख क वताएँ : 2,3,4,5,7,8,11,14,15,18,21,22,29,30)	पाठ्यपुस्तक 1
9	इकाई तीन प्रारम्भ, सु मत्रानन्दन पंत का काव्य सु मत्रानन्दन पंत : जीवन दर्शन, सौन्दर्य -दृष्टि,काव्यगत वकास	पाठ्यपुस्तक 6
10	सु मत्रानन्दन पंत का काव्य : रहस्यवाद,काव्य-भाषा	पाठ्यपुस्तक 6
11-12	सु मत्रानन्दन पंत की क वता का पाठ- वश्लेषण ('प्रथम रश्मि', 'जग के उर्वर आँगन में', 'ताज', 'स्त्री', 'बापू के प्रति', 'ग्राम देवता')	पाठ्यपुस्तक 6,10
13	इकाई चार प्रारम्भ, जयशंकर प्रसाद का काव्य कामायनी : सौन्दर्य-सौष्ठव, सामरस्य सद्धान्त ,भाव-पक्ष,कला-पक्ष, प्रासं गकता	पाठ्यपुस्तक 9
14-16	जयशंकर प्रसाद की क वता का पाठ- वश्लेषण : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)	पाठ्यपुस्तक 9

17	इकाई पाँच प्रारम्भ, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का काव्य 'मुक्त छन्द' और निराला	5,8
18	निराला का काव्य : प्रकृति चत्रण, वं चतों का संसार, जागरण का स्वर	5,8,10
19-20	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की क वता का पाठ- वश्लेषण : ('सरोज स्मृति', 'बांधों न नाव इस ठांव बंधु', 'तुम और मैं,' 'तोड़ती पत्थर')	4,5,8,

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
मान वकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग
एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – **2**, जनवरी **2017**

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 409 **(HIL** 409**)**

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- उपन्यास

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी साहित्य की व शष्ट और समृद्ध वधा उपन्यास से परि चत कराना है तथा उसका सम्पूर्णता से मूल्यांकन वश्लेषण करना है | उपन्यास की ऐतिहा सक परंपरा के साथ छात्र व भन्न युगों के उपन्यासों की वशेष प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे,साथ ही कुछ कालजयी उपन्यासों के पाठ- वश्लेषण के माध्यम से साहित्य के अध्ययन की व शष्ट दृष्टि अर्जित कर सकेंगे |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%
* प्रायो गक कार्य - 5%
* गृह-कार्य - 5%
* कक्षा परीक्षा - 5%
* कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – **2**, जनवरी **2017**

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- उपन्यास

क्रे डट- 4

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 409 **(HIL** 409**)**

<u>पाठ्यक्रम वषयवस्तु -</u>

इकाई-1 हिन्दी उपन्यास : उद्भव और वकास

क) हिन्दी में उपन्यास का आरम्भ

ख) भारतेन्दुयुगीन उपन्यासों की प्रवृत्तियां

इकाई-2 प्रेमचंदयुगीन हिन्दी उपन्यास

क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां

ख) गोदान का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-3 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -1

क) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां

ख) शेखर एक जीवनी (भाग-1) का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-4 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -2

क) बाणभ की आत्मकथा का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

ख] मैला आंचल का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-5 समकालीन हिन्दी उपन्यास

क) समकालीनता की अवधारणा

ख) रागदरबारी का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

ग) तमस का पाठ- वश्लेषण तथा मूल्यांकन

<u>आधार ग्रन्थ -</u>

1. गोदान प्रेमचंद
2. शेखर एक जीवनी अज्ञेय
3. बाणभ की आत्मकथा हजारी प्रसाद द् ववेदी
4. तमस भीष्म साहनी
5. रागदरबारी श्रीलाल शुक्ल
6. मैला आँचल फणीश्वर नाथ रेणु

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ -

8. प्रेमचंद और उनका युग राम वलास शर्मा
9. अज्ञेय के उपन्यास गोपाल राय
10. अठारह उपन्यास राजेन्द्र यादव
11. उपन्यास का वकास मधुरेश
12 उपन्यासकार हजारी प्रसाद द् ववेदी त्रिभुवन संह
13 उपन्यास की संरचना गोपाल राय
14 आधुनिक हिंदी उपन्यास सं. भीष्म साहनी, डॉ. रामजी मश्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी और भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी **2017**

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 430 [**HIL 430**]

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सद्धांत : प्राचीन

क्रे डट : 2 [एक क्रे डट व्याख्यान , संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्युटोरियल / शक्षक नियंत्रित गति व धयाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के सामान हैं]

पाठ्यक्रम उद्देश्य : पाठ्यक्रम का उद्देश्य साहित्य - सद्धांत की प्राचीन परंपरा से छात्रों को परि चत कराना है, ता क वे संस्कृत साहित्य सद्धांतों से न केवल अवगत हों बल्कि उसके संग्रहणीय तत्त्वों से लाभान्वित हों तथा साहित्य के मूल्यांकन की ववेकपूर्ण दृष्टि उनमें वक सत हो सके |

उपस्थिति अनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मड टर्म परीक्षा - 25%

ख.] एंड टर्म परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%
* गृह कार्य - 5%
* कक्षा परीक्षा - **10%**
* कक्षा प्रस्तुतियां - 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी **2017**

कोर्स कोड –**HIL** 430

क्रे डट –2

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सद्धांत :प्राचीन

<u>पाठ्यक्रम ववरण -</u>

इकाई- 1 साहित्य सद्धांत: अर्थ और स्वरूप

- साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप
- साहित्य सद्धांत का महत्त्व

इकई - 2 प्राचीन साहित्य सद्धांत - 1

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई -3 प्राचीन साहित्य सद्धांत - 2

- रस का स्वरूप
- रस के वभेद
- रस निष्पत्ति

इकाई - **4** प्राचीन साहित्य सद्धांत - 3

- ध्वनि का स्वरूप
- ध्वनि के प्रमुख भेद
- अलंकार का स्वरूप
- अलंकार के प्रमुख भेद

इकाई- 5 प्राचीन साहित्य सद्धांत - 4

- रीति सद्धांत
- वक्रोक्ति सद्धांत
- औ चत्य सद्धांत

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. रस मीमांसा : आचार्य राम चन्द्र शुक्ल
2. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र की भू मका : डॉ.नगेन्द्र
4. काव्यशास्त्र : भागीरथ मश्र
5. भारतीय काव्य वमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी
6. भारतीय काव्यशास्त्र : गणेश त्रयम्बक देशपांडे
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षतिज : राममूर्ति त्रिपाठी
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.तारक नाथ बाली
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. वश्वनाथ उपाध्याय

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
मान वकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग
एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी **2017**

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल

क्रे डट : 04[एक क्रे डट व्याख्यान , संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य /ट्युटोरियल / शक्षक नियंत्रित गति व धयाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के समान हैं]

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को साहित्य इतिहास के जीवन्त तथा शाश्वत तत्त्वों के संग्रहण की क्षमता से पूर्ण करना है; साथ ही छात्रों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की बहु वस्तृत वरासत से परि चत कराते हुए एक वशेष साहित्यिक परंपरा के गहन अध्ययन और वश्लेषण का अवसर देना है |

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मड टर्म परीक्षा - 25%

ख.] एंड टर्म परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%
* गृह कार्य - 5%
* कक्षा परीक्षा – 10%
* कक्षा प्रस्तुतियां - 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी **201**7

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल क्रे डट-4

<u>पाठ्यक्रम वषयवस्तु -</u>

इकाई -1 आधुनिककाल

- आधुनिकता का अर्थ और स्वरूप
- आधुनिककाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभू म
- हिन्दी नवजागरण

इकाई – 2 भारतेंदु युग तथा द् ववेदी युग

- भारतेंदु युगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- भारतेंदु युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- द् ववेदी युगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- द् ववेदी युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई -3 छायावाद

- छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां
- प्रमुख छायावादी रचनाकार
- छायावाद का योगदान

इकाई – 4 प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी क वता

- प्रगतिवाद: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार
- प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार
- नई क वता: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार

इकाई – 5 समकालीन साहित्य

- समकालीनता की अवधारणा
- समकालीन हिंदी क वता
- समकालीन हिंदी गद्य साहित्य
- गीत, नवगीत और ग़ज़ल
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ.नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द् ववेदी
4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और वकास : हजारी प्रसाद द् ववेदी
5. हिन्दी साहित्य की भू मका : हजारी प्रसाद द् ववेदी
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
7. महावीर प्रसाद द् ववेदी और हिन्दी नवजागरण : राम वलास शर्मा

8. हिन्दी साहित्य का अतीत : वश्वनाथ प्रसाद मश्र
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास ; बच्चन संह
10. हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : डॉ.भागीरथ मश्र
11. हिन्दी साहित्य का सं क्षप्त इतिहास : नन्द दुलारे वाजपेई
12. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन संह
13. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : राम कुमार वर्मा

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (यूनिव र्सटी वाइड), सेमेस्टर-**1** एवं -2

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल **445 (HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: एम.ए के वद्या र्थयों को पटकथा लेखन की परिचयात्मक रूपरेखा से अवगत कराना है | यही नहीं इस पाठ्यक्रम के ज़रिये दूरदर्शन पटकथा लेखन,रे डयो पटकथा लेखन एवं फल्म पटकथा के व भन्न अवयवों की पड़ताल भी कराना है |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445 **(HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय

पाठ्यक्रम वषयवस्तु **-**

इकाई-1 पटकथा : अर्थ एवं स्वरूप (**4** घंटे)

क) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप

ख) पटकथा लेखन एवं समाज

ग) पटकथा के लए उपयुक्त कहानी का चयन

घ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भू मका

इकाई-2 हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 1 (**4** घंटे)

क) फीचर फल्मों की पटकथा

ख) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा

ग) रे डयो पटकथा लेखन एवं दृष्टि

घ) रे डयो नाटक लेखन एवं व भन्न तत्व

ङ) रे डयो रूपक

इकाई-3 हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 2 (**4** घंटे)

क) दूरदर्शन पटकथा

ख) सोप ओपेरा की पटकथा

ग) वज्ञापन फल्मों की पटकथा

घ) पटकथाकार के व भन्न गुण

ङ) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति

इकाई-4 पटकथा के मूल घटक **(4** घंटे)

क) वस्तु वन्यास

ख) परिस्थिति परियोजना

ग) पात्र परिकल्पना

घ) संवाद कला

इकाई-5 पटकथा लेखन एवं भ वष्यगत संभावनाएं (**4** घंटे)

क) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य

ख) पटकथा लेखन में युवाओं की भू मका

ग) पटकथा लेखन में फल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर

घ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ

ङ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासं गकता

सम्भा वत ग्रन्थ :

1. असगर वजाहत व्यावहारिक निर्दे शका
   पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन,प्रा. ल.नई दिल्ली-110 002
2. डॉ. चन्देश्वर यादव अनंग प्रकाशन,दिल्ली- 110053
3. मनोहर श्याम जोशी पटकथा लेखन : एक परिचय, राजकमल प्रकाशन,प्रा. ल.नई दिल्ली-110 002

व्याख्यान योजना-

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445 **(HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय

व्याख्यान संख्या	व्याख्यान वषय	सम्भा वत स्रोत
1	इकाई एक प्रारम्भ, पटकथा : अर्थ एवं स्वरूप क) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप ख) पटकथा लेखन एवं समाज	पाठ्यपुस्तक 1
2	ग) पटकथा के लए उपयुक्त कहानी का चयन घ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भू मका	पाठ्यपुस्तक 1
3-4	इकाई दो प्रारम्भ: हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 1 क) फीचर फल्मों की पटकथा ख) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा	पाठ्यपुस्तक 2,3
5-**5**	ग) रे डयो पटकथा लेखन एवं दृष्टि घ) रे डयो नाटक लेखन एवं व भन्न तत्व ङ) रे डयो रूपक	पाठ्यपुस्तक 2,3
7-8	इकाई तीन प्रारम्भ, हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 2 क) दूरदर्शन पटकथा ख) सोप ओपेरा की पटकथा	पाठ्यपुस्तक 2,
9	ग) वज्ञापन फल्मों की पटकथा घ) पटकथाकार के व भन्न गुण	पाठ्यपुस्तक 2
10	ङ) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति	पाठ्यपुस्तक 2,3
11-12	इकाई चार प्रारम्भ, पटकथा के मूल घटक क) वस्तु वन्यास	पाठ्यपुस्तक 2
13	ख) परिस्थिति परियोजना	पाठ्यपुस्तक

		2
14-16	ग) पात्र परिकल्पना घ) संवाद कला	पाठ्यपुस्तक 2
17-18	इकाई पाँच प्रारम्भ, पटकथा लेखन एवं भ वष्यगत संभावनाएं क) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य ख) पटकथा लेखन में युवाओं की भू मका	पाठ्यपुस्तक 2,3
19-20	ग) पटकथा लेखन में फल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर घ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ ङ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासं गकता	पाठ्यपुस्तक 2,3

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
मान वकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग
एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – 2, जनवरी 2016

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 448 (HIL 448)

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- हिंदी के कसी एक साहित्यकार का वशेष अध्ययन

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी के कसी एक साहित्यकार के अध्ययन में वशेषज्ञता प्रदान करना है | इससे वद्या र्थयों में उस वशेष साहित्यकार के रचना-संसार के समग्र मूल्यांकन के लए शोधपरक तथा आलोचकीय दृष्टि का वकास हो सकेगा |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%
* प्रायो गक कार्य - 5%
* गृह-कार्य - 5%
* कक्षा परीक्षा - 5%
* कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – 2, जनवरी 2016

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- हिंदी के कसी एक साहित्यकार का वशेष अध्ययन

क्रे डट- 4

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 448 (HIL448)

<u>पाठ्यक्रम वषयवस्तु -</u>

इकाई-1 प्रेमचंद:जीवन और कृतित्व (5 घंटे)

क) प्रेमचंद का जीवन परिचय

ख) प्रेमचंद की साहित्य साधना

ग) व भन्न राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद

इकाई-2 कहानीकार प्रेमचंद (7 घंटे)

क) 'सोज़े-वतन' की कहानियों का पाठगत वश्लेषण

ख) प्रेमचंद की प्रमुख कहानियों का वश्लेषण

ग) कहानीकार प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-3 उपन्यासकार प्रेमचंद (9 घंटे)

क) 'सेवासदन' का वश्लेषण

ख) 'निर्मला' का वश्लेषण

ग) 'ग़बन' का वश्लेषण

घ) 'गोदान' का वश्लेषण

ङ) उपन्यासकार प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-4 आलोचक प्रेमचंद (9 घंटे)

क) 'साहित्य का उद्देश्य' संग्रह का वश्लेषण

ख] आलोचक प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-5 प्रेमचंद का समग्र मूल्यांकन (10 घंटे)

क) स्त्री- वमर्श और प्रेमचंद का साहित्य

ख) द लत- वमर्श और प्रेमचंद का साहित्य

ग) समकालीन चेतना और प्रेमचंद का साहित्य

घ) हिंदी साहित्य में प्रेमचंद का स्थान

आधार ग्रन्थ -

1. गोदान प्रेमचंद
2. सेवासदन प्रेमचंद
3. निर्मला प्रेमचंद
4. ग़बन प्रेमचंद
5. साहित्य का उद्देश्य प्रेमचंद
6. मानसरोवर प्रेमचंद
7. सोज़े-वतन प्रेमचंद

सन्दर्भ ग्रन्थ -

8. प्रेमचंद और उनका युग राम वलास शर्मा
9. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र नन्द कशोर नवल
10. अठारह उपन्यास राजेन्द्र यादव
11. उपन्यास का वकास मधुरेश
12 प्रेमचंद और भारतीय समाज नामवर संह
13 प्रेमचंद और भारतीय कसान प्रो.रामवक्ष
14 उपन्यास की संरचना गोपाल राय
15 प्रेमचंद कहानी का रहनुमा ज़फ़र रज़ा
16 प्रेमचंद डॉ.नरेंद्र कोहली
17 प्रेमचंद और द लत वमर्श कांतिमोहन
18 प्रेमचंद वरासत का सवाल शव कुमार मश्र

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

सेमेस्टर-**1**, ह्यूमन मे कंग कोर्स

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 450 (HIL 450)

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- हिन्दी का लोक प्रय साहित्य श्रेय तुल्यमान: 2

श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या /व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /यैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का लक्ष्य वद्या र्थयों को हिन्दी के लोक प्रय साहित्य से परि चत कराना है | जिन वद्या र्थयों की अ भरु च हिन्दी के लोक प्रय साहित्य में है,उन्हें हिन्दी की लोक प्रय कहानियों,उपन्यासों एवं मंचीय क वता की समृद्ध परम्परा से वा कफ कराना इस 'यूनिव र्सटी वाईड' पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 लोक प्रय साहित्य : अवधारणा एवं वकास (4 घंटे)

क) लोक का अर्थ एवं स्वरूप,शास्त्र एवं लोक में अंतर

ख) लोक साहित्य की अवधारणा,लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

ग) हिन्दी के लोक प्रय साहित्य का वकास

इकाई-2 हिन्दी का प्रारं भक लोक प्रय साहित्य (4 घंटे)

क) देवकीनंदन खत्री कृत चन्द्रकान्ता का आलोचनात्मक अध्ययन (सन्दर्भ- पहला अध्याय)

ख) गोपाल राम गहमरी की कहानी का आलोचनात्मक अध्ययन

ग) प्रेमचंद की कफन कहानी का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई-3 हिन्दी का उत्तरोत्तर लोक प्रय कथा साहित्य (4 घंटे)

क) इब्ने सफी के उपन्यास का अध्ययन

ख) वेदप्रकाश शर्मा के उपन्यास का अध्ययन

ग) धर्मवीर भारती के उपन्यास का अध्ययन

इकाई-4 हिन्दी के प्रमुख लोक प्रय गीतकार एवं उनके गीत (3 घंटे)

क) हरिवंशराय 'बच्चन'

ख) गोपाल संह 'नेपाली'

ग) गोपालदास 'नीरज'

इकाई-5 हिन्दी के प्रमुख लोक प्रय ग़ज़लकार एवं ऊनकी ग़ज़लें (5 घंटे)

क) शमशेर बहादुर संह

ख) दुष्यंत कुमार

ग) गोपालदास 'नीरज'

घ) कुँअर बेचैन

आधार ग्रन्थ :

1 .डा. वष्णु सक्सेना (संपादन) लोक प्रयता के शखर गीत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई-दिल्ली,पहला संस्करण: 2013

2. डॉ. सुरेश कुमार जैन (संपादन) काव्य कल्पद्रुम, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-110002 संस्करण:2008,2009

3.रंजना अरगड़े (सम्पादन) सुकून की तलाश

4.दुष्यंत कुमार 'साये में धूप',

5.गोपालदास 'नीरज' 'नीरज की पाती'

6.कुँअर बेचैन शामयाने कांच के

सन्दर्भ ग्रन्थ :

10. डॉ.सी. वसंता गीतकार नीरज,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-110002

11.डा. वश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपादन) बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली

12. डॉ. नरेश हिन्दी ग़ज़ल : दशा और दिशा,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-110002

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफ़ी

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: LcÉ.AÉD.LsÉ. 401 **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य वद्या र्थयों को (एम.ए, हिन्दी) भक्तिकाव्य की स्व र्णम परम्परा से परि चत करना है | भक्तिकाव्य ने न केवल सामाजिक एका स्था पत कया बल्कि साहित्यिक भागीदारी भी प्रस्तुत की | सामाजिक समरसता स्था पत करने एवं लोक को प्रश्रय देने के लए भी यह काव्य जाना जाता है | प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सहायता से वद्या र्थयों की भाव-संवेदना को भक्ति-काव्य से जोड़कर उनके भीतर अतीत की संतु लत समझ का वकास करना है,जिससे क वे जागरूक अध्येता बन सकें |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग,सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: LcÉ.AÉD.LsÉ. 401 क्रे डट- 4

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफ़ी

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली के पूर्व का काव्य : भक्ति संदर्भ (8 घंटे)

क) भक्ति: स्वरूप एवं अवधारणा, उद्भव एवं वकास

ख) व भन्न सम्प्रदाय एवं भक्ति की अवधारणा

ग) भक्ति आन्दोलन : सामाजिक परिदृश्य और हिन्दी समीक्षा

घ) हिन्दी भक्तिकाव्य : पृष्ठभू म,सामान्य प्रवृत्तियाँ, साहित्यिक योगदान

इकाई-2 खड़ी बोली के पूर्व का नीतिकाव्य (8 घंटे)

क) भक्तिकालीन सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक दशा

ख) नीतिकाव्य : प्रमुख वशेषताएँ, प्रमुख क व रचनाएं

ग) कबीर : भक्ति,दर्शन,रहस्यवाद,सामाजिक वचार

घ) कबीर :पाठ ववेचन- [कबीर ग्रंथावली, श्यामसुंदर दास(सम्पादन-
पद संख्या : 1,2,3,4,5,6,8,16,19,21,43,45,49,51,55,

ङ) रैदास : भक्ति भावना,सामाजिक- चंतन, साधना-पद्धति,काव्य-सौष्ठव

च) रैदास :पाठ ववेचन- [रैदास बानी, डॉ. शुकदेव संह (सम्पादन -
पद संख्या : 2,3,4,6,21,56,74,94,97,106,114,128,140,193)

इकाई-3 खड़ी बोली के पूर्व का सूफ़ीकाव्य (8 घंटे)

क) हिन्दी सूफी काव्य : वशेषताएँ

ख) जायसी : रहस्यवाद,ग्राम-बोध,प्रबंध-कौशल,काव्य-भाषा

ग) पद्मावत : ऐतिहा सक आधार,प्रेमतत्व,समासोक्ति-अन्योक्ति

घ) पद्मावत : प्रकृति- चत्रण,सांस्कृतिक भू म,समीक्षा

ङ) पद्मावत : पाठ ववेचन - ['मानसरोदक खण्ड' (जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन)

इकाई-4 खड़ी बोली के पूर्व का रामकाव्य (8 घंटे)

क) तुलसी : भक्ति पद्धति,लोक धर्म,समन्वय की भावना,काव्य-सौष्ठव

ख) सुन्दरकाण्ड : कथावस्तु,रचना-दृष्टि,भाव पक्ष,कला पक्ष

च) सुन्दरकाण्ड : पाठ ववेचन - ['सुन्दरकाण्ड' (श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान, योगेन्द्र प्रताप संह (सम्पादन)

इकाई-5 खड़ी बोली के पूर्व का कृष्ण काव्य (8 घंटे)

क) सूर : भक्तिभावना,बाल-वर्णन,वात्सल्य वर्णन

ख) सूरसागर : प्रेमतत्व,कथावस्तु का वै शष्ट्य

ग) सूर सागर : पाठ ववेचन- ['गोकुल लीला' (सूरसागर सटीक : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (सम्पादन)

घ) मीरा का काव्य : भक्ति आन्दोलन और क वता के सन्दर्भ में, सामाजिक पक्ष, काव्यानुभूति,काव्य भाषा

ङ) मीराबाई की पदावली :पाठ ववेचन- [मीराबाई की पदावली भाग दो, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (सम्पादन - पद संख्या : 17,19,21,33,35,74,75,76,83,86,89)

आधार ग्रन्थ :

1. श्यामसुन्दर दास (सम्पादन) ' कबीर ग्रन्थावली',लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-211001, द् वतीय संस्करण: 2011
2. डॉ. सत्यनारायण संह मध्ययुगीन काव्य, वश्व वद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. डॉ. मोहनलाल तिवारी (संपादन) 'म लक मुहम्मद जायसी और पद्मावत', वश्व वद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. डॉ.धीरेन्द्र वर्मा (संपादन) 'सूर सागर' सटीक, साहित्य भवन प्रा. ल.56,इलाहाबाद
5. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी मीराबाई की पदावली, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,इलाहाबाद
6. योगेन्द्र प्रताप संह (सम्पादन) श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान सुन्दरकाण्ड, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन) जायसी ग्रंथावली,प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली-11 0002
8. डॉ. शुकदेव संह (सम्पादन रैदास बानी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

संदर्भ ग्रन्थ :

9. डॉ. सुमन शर्मा मध्यकालीन भक्ति-आन्दोलन का सामाजिक ववेचन, वश्व वद्यालय प्रकाशन,वाराणसी,प्रथम संस्करण :1974
10. शवकुमार मश्र भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1, संस्करण: 2012
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास
12. परमानंद श्रीवास्तव (सम्पादन) सूरदास मूल्यांकन पुनर्मूल्यांकन, अ भव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद,प्रथम संस्करण: 2003

11.. सदानंद साही (सम्पादन) जायसी :आकलन के आयाम,अ भव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद, संस्करण: 2006

12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल गोस्वामी तुलसीदास',प्रकाशन संस्थान ,नई दिल्ली, प्रथम संस्करण: 2004

13 पल्लव (सम्पादन) मीरा :एक पुनार्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन,पंचकूला,हरियाणा

व्याख्यान योजना-

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफ़ी

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: LcÉ.AÉD.LsÉ. 401 क्रे डट- 4

व्याख्यान संख्या	व्याख्यान वषय	निर्धारित स्रोत
1-3	इकाई एक प्रारम्भ, खड़ी बोली के पूर्व काव्य की रूपरेखा भक्ति: स्वरूप एवं अवधारणा, उद्भव एवं वकास	पाठ्यपुस्तक 2,9
4-6	व भन्न सम्प्रदाय एवं भक्ति की अवधारणा	पाठ्यपुस्तक 2,9
7-8	भक्ति आन्दोलन : सामाजिक परिदृश्य और हिन्दी समीक्षा	पाठ्यपुस्तक 9,10
	हिन्दी भक्तिकाव्य : पृष्ठभू म,सामान्य प्रवृत्तियाँ, साहित्यिक योगदान	पाठ्यपुस्तक 9,10
9-12	इकाई दो प्रारम्भ, भक्तिकालीन सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक दशा नीतिकाव्य : प्रमुख वशेषताएँ, प्रमुख क व रचनाएं	पाठ्यपुस्तक 9,11
13-16	कबीर : भक्ति,दर्शन,रहस्यवाद,सामाजिक वचार कबीर :पाठ ववेचन- [कबीर ग्रंथावली, श्यामसुंदर दास(सम्पादन- पद संख्या : 1,2,3,4,5,6,8,16,19,21,43,45,49,51,55,	पाठ्यपुस्तक 1,2,11
17-20	रैदास : भक्ति भावना,सामाजिक- चंतन, साधना-पद्धति,काव्य-सौष्ठव रैदास :पाठ ववेचन- [रैदास बानी, डॉ. शुकदेव संह (सम्पादन - पद संख्या : 2,3,4,6,21,56,74,94,97,106,114,128,140,193)	पाठ्यपुस्तक 2,8
21-24	इकाई तीन प्रारम्भ, हिन्दी सूफी काव्य : वशेषताएँ जायसी : रहस्यवाद,ग्राम-बोध,प्रबंध-कौशल,काव्य-भाषा पद्मावत : ऐतिहा सक आधार,प्रेमतत्व,समासोक्ति-अन्योक्ति	पाठ्यपुस्तक 2,3,11
25-28	पद्मावत : प्रकृति- चत्रण,सांस्कृतिक भू म,समीक्षा पद्मावत : पाठ ववेचन - ['मानसरोदक खण्ड' (जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन)	पाठ्यपुस्तक 3,7,12
29-32	इकाई चार प्रारम्भ, तुलसी : भक्ति पद्धति,लोक धर्म,समन्वय की भावना,काव्य-सौष्ठव सुन्दरकाण्ड : कथावस्तु,रचना-दृष्टि,भाव पक्ष,कला पक्ष	पाठ्यपुस्तक 12
33-36	सुन्दरकाण्ड : पाठ ववेचन - ['सुन्दरकाण्ड' (श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान, योगेन्द्र प्रताप संह (सम्पादन) इकाई पांच प्रारम्भ, सूर : भक्तिभावना,बाल-वर्णन,वात्सल्य वर्णन सूरसागर : प्रेमतत्व,कथावस्तु का वै शष्ट्य	पाठ्यपुस्तक 6,4

37-40	सूर सागर : पाठ ववेचन- ['गोकुल लीला' (सूरसागर सटीक : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (सम्पादन) मीरा का काव्य : भक्ति आन्दोलन और क वता के सन्दर्भ में, सामाजिक पक्ष, काव्यानुभूति,काव्य भाषा मीराबाई की पदावली :पाठ ववेचन- [मीराबाई की पदावली भाग दो, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (सम्पादन - पद संख्या : 17,19,21,33,35,74,75,76,83,86,89)	पाठ्यपुस्तक 4,5,13

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या /व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य एम .ए (हिन्दी) के वद्या र्थयों को स्वतंत्रता के बाद क वता के क्षेत्र में आए बदलाव एवं परिवर्तन आदि से रूबरू कराना है जिससे क स्वतंत्रता के बाद की काव्य परम्पराओं एवं उनके योगदान से उन्हें भली-भांति परि चत कराया जा सके यही नहीं क वता की व भन्न काव्यधारायें जिस तरह समाज में व्यापक सरोकार के साथ उन्मुख रहीं उनकी व शष्टता से भी अवगत कराया जा सके |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-**4**

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ (8 घंटे)

क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य : राजनीतिक,सामाजिक स्थिति

ख) प्रगतिवादी काव्यधारा

ग) प्रयोगवादी काव्यधारा

घ) नई क वता

ङ) समकालीन हिन्दी क वता

इकाई-2 प्रयोगवादी क वता : क व एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) अज्ञेय का काव्यगत वकास,अज्ञेय की काव्य-दृष्टि, अज्ञेय और प्रकृति,अज्ञेय का भाषा- शल्प

ख) मुक्तिबोध के काव्य में मनो वज्ञान,अस्तित्ववाद,मार्क्सवाद का प्रभाव

ग) मुक्तिबोध की सौन्दर्यानुभूति,मुक्तिबोध का शब्द कर्म,मुक्तिबोध का भाषा- शल्प

घ) अज्ञेय की क वताओं का पाठ

ङ) मुक्तिबोध की क वताओं का पाठ

इकाई-3 नई क वता : क व एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) मुक्तिबोध और नई क वता,शमशेर बहादुर संह की क वता में प्रेम

ख) भवानी प्रसाद मश्र का काव्यगत वकास, प्रेम एवं प्रकृति,इतिहास एवं समाज

ग) रघुवीर सहाय की क वता में राजनीति एवं समाज,रघुवीर सहाय का भाषा- शल्प

घ) शमशेर बहादुर संह की क वताओं का पाठ

ङ) भवानी प्रसाद मश्र की क वताओं का पाठ

च) रघुवीर सहाय की क वताओं का पाठ

इकाई-4 समकालीन क वता : क व एवं रचना संसार (8 घंटे)

क) त्रिलोचन : काव्यगत वकास,भाषा- शल्प,त्रिलोचन के सानेट

ख) नागार्जुन : काव्यगत वकास,भाषा- शल्प

ग) केदारनाथ संह : काव्यगत वकास,ग्रामीण संवेदना

घ) त्रिलोचन की क वताओं का पाठ

ङ) नागार्जुन की क वताओं का पाठ

च) केदारनाथ संह की क वताओं का पाठ

इकाई-5 समकालीन क वता : चुनौतियां एवं युगबोध (8 घंटे)

क) समकालीनता एवं सर्वका लकता का प्रश्न

ख) समकालीनता की अवधारणा

ग) समकालीन क वता और सामाजिक यथार्थ

घ) समकालीन हिन्दी क वता की चुनौतियाँ

<u>सम्भा वत ग्रन्थ :</u>

<u>आधार ग्रन्थ :</u>

कृष्णदत्त पालीवाल अज्ञेय रचनावली,खण्ड- 2

भारतीय ज्ञान पीठ, 18 इंस्टीटयूशनल एरिया,लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110 003

रघुवीर सहाय एक समय था

राजकमल प्रकाशन प्रा . ल
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पहला संस्करण : 1995

धू मल कल सुनना मुझे

वाणी प्रकाशन, 21-ए,दरियागंज नई दिल्ली- 110 002
आवृत्ति : 2010

शमशेर बहादुर संह प्रतिनि ध क वतायें

राजकमल पेपरबैक्स,
राजकमल प्रकाशन प्रा. ल.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पांचवी आवृत्ति : 2005

नागार्जुन प्रतिनि ध क वतायें

राजकमल पेपरबैक्स,
राजकमल प्रकाशन प्रा. ल.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002

गोबिन्द प्रसाद (सम्पादन) केदारनाथ संह पचास क वताएँ नयी सदी के लए
वाणी प्रकाशन,4695,21-ए दरियागंज,नई दिल्ली-110002
प्रथम संस्करण : 2012

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा

वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 1996

डॉ. बृजबाला संह मुक्तिबोध और उनकी क वता
वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2004

डॉ. हरिनिवास पाण्डेय प्रगतिशील काव्यधारा और त्रिलोचन
वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2000